

Surrogate Cataloging Record

Khal kha dam tshig rdo rje'i gsung 'bum

Control Number: W6457

Type of Material: Book (Print, Microform, Electronic, etc.)

Personal Name: Dam tshig rdo rje Brag-ri, 1781-1855

Main Title: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum.

Edition Information: Reproduced from an unclear set of prints from the Unga blocks

Published/Created: [Lan kru'u : Nub byang mi rigs slob grwa chen mo]

Related Titles: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum bzugs so

Description: 21 v.

Notes: In Tibetan

LC Classification: BQ7550 +

Geog. Area Code: a-ce-ti a-ce-im

CALL NUMBER: BQ7550

58

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

64

७७७ ।
 ॥ कर्मसु यद्गुरुय ॥ स्वयंप्रकाशकृत्यस्य दयया सुख ॥ पातुं यत्प्रकाशकृत्यस्य दयया सुख ॥
 सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥ सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥ सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥
 सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥ सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥ सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥
 सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥ सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥ सुखदयया कृत्यस्य दयया सुख ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहो ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । ॥ १ ॥ श्रीकृष्ण उवाच । द्रुपद उवाच । ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

63

१८८५

[illegible]

33

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

35
३३
४४
 ॥ यथा यथा ह्येते सन्त्येव यथा ह्येते सन्त्येव यथा ह्येते सन्त्येव यथा ह्येते सन्त्येव ॥

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular frame. The script is dense and characteristic of traditional Indian writing.

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

101

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of handwritten script.]

ॐ अथ अथ दत्ता त्र्यम्बकम् । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ १० ॥

[illegible]

W

[illegible]

२७५५

१३५३ अक्षरसंख्या



67 R

	३७	ॐ ॥ । दपय ईहे लोकास मयाम व हेन पयि जमठ येदि बुद्ध के मयामे रमयुष मयम मय मयि येले मयुष मयुष मयम		
--	----	--	--	--

1/12/21

1999

॥ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुदृढा
सर्वज्ञा

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution. It appears to be handwritten script in Devanagari.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

白紙

४२०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५७ ॥

[illegible]

[illegible]

29 端

[illegible]

[illegible]

[illegible]



॥ दयानन्दसरस्वतीविरचिते दशमस्कन्धे ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

[illegible]

白 页



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the Tibetan script from the previous page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

53

[illegible]

10. 10.000

[illegible]

100

सुभाषि सुभाषि

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a script, likely Devanagari, spanning the main body of the page. The text is arranged in several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect.

Handwritten marginal notes on the right side of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of handwritten notes or a separate page from a manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

342

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

451

འདི་ལྟེ་ཐུན་པོར་འདི་གསལ་པ་ཀུན་ལ་མ་ལྟོང་ལ། །མཆོག་ཐུན་དོན་གྲགས་པ་ལས་སྤེལ་དུ་གསོལ། །ཀུན་

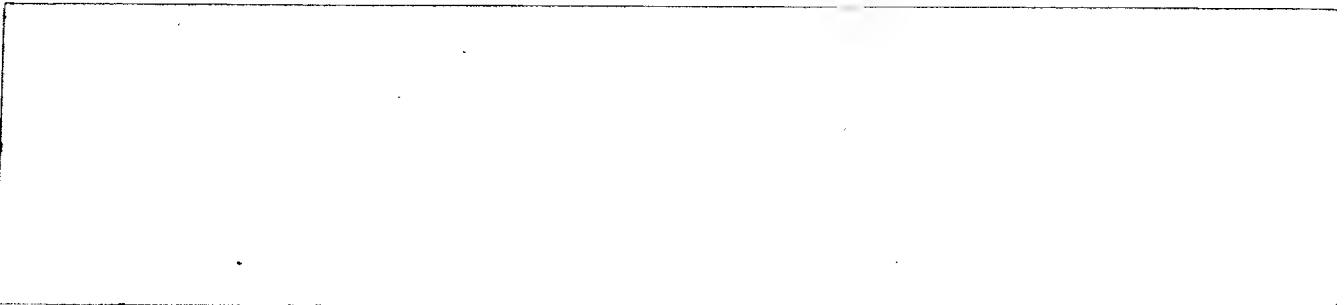
འདྲེན་པའི་ལྟེ་ལ་ཆོད་དོན་དང་ལྡན། །དཔེ་མཆོད་དཔལ་ལ་ལྟོད་པའི་ཕྱི་རྒྱལ་པ་སྐྱོལ། །མཆོད་ཆེན་པོ་ལ་ལྟོད་པའི་ལྟོ་ལ་སྐྱོལ། །
འདྲེན་པའི་ལྟེ་ལ་ཆོད་དོན་དང་ལྡན། །དཔེ་མཆོད་དཔལ་ལ་ལྟོད་པའི་ཕྱི་རྒྱལ་པ་སྐྱོལ། །མཆོད་ཆེན་པོ་ལ་ལྟོད་པའི་ལྟོ་ལ་སྐྱོལ། །

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

புதுச்சேரி கல்கண்டி

[illegible][illegible]

संज्ञा





॥ मम भवस्य दुःखं यद्यपि न भवति तदपि न भवति ॥
॥ मम भवस्य दुःखं यद्यपि न भवति तदपि न भवति ॥

[illegible]

15

		ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदेतन्मया श्रुतं ब्रह्मण्युदयं श्रुत्वा त्रिपुरारिः शिवः प्रहसन्मुखात्तु त्रैलोक्यं विजयति ॥ यदेतन्मया श्रुतं ब्रह्मण्युदयं श्रुत्वा त्रिपुरारिः शिवः प्रहसन्मुखात्तु त्रैलोक्यं विजयति ॥	देवताधिकारद्वयं विना ॥ यदेतन्मया श्रुतं ब्रह्मण्युदयं श्रुत्वा त्रिपुरारिः शिवः प्रहसन्मुखात्तु त्रैलोक्यं विजयति ॥ यदेतन्मया श्रुतं ब्रह्मण्युदयं श्रुत्वा त्रिपुरारिः शिवः प्रहसन्मुखात्तु त्रैलोक्यं विजयति ॥	
--	--	--	---	--

[illegible]



सुखकेशपुत्रकृष्णदेवैरुपपन्नकेशदेवैर्ब्रह्मकृष्ण

कुंयददिवसमयकयदहिसादेकपुमसुदु । ३५

[illegible]

॥ अथ भुवि स्थितस्य देवदेवस्य कर्म ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

དཔལ་འཁོར་རྒྱུ་དེ་ཡིད་བཞིན་པོར་ལས་ལྷན་གྱི།

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महाराष्ट्र राज्य सरकार

देवदत्तः अथवा देवदत्तः अथवा देवदत्तः अथवा देवदत्तः अथवा देवदत्तः

[illegible]

臺灣省立美術館

॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुखाय नमः

ཏེན་ཁུང་པོ་དེ་ཙམ་ལ་མཁུ་ཤིང་མཆོད་པ་འདྲེ་ལས་

मन्त्रार्थः श्रीगुरुदेवस्य कुरु कुरु नमः कुरु नमः

卷之五

॥ २२ ॥

२८४

འཕྲིན་ལྷན་པ་དང་ལྷན་པ། དཔལ་ལྷན་པ་ལྟར།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一、二、三、四

[illegible]

[illegible]

100



ॐ

॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥
 यथा ह्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥
 केन ह्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥
 यथा ह्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥
 देव ह्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥
 इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥ इत्युक्तं च परं श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2014 2015 2016

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a continuous passage of handwritten text.]

131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

131
[Text in Tibetan script, likely a historical or religious document. The text is written in a cursive style and spans multiple lines within a rectangular frame.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । त्रैलोक्येश्वरः परब्रह्मात्मनो हृद्भिरासितः ।
 अद्वैतकृतः सत्त्विकः सर्वगतः कर्ता स्वस्वकर्तृप्रसादात् । त्रिपुरारूपाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १०७ ॥ ५२५ ॥ ७३५ ॥ ८५५ ॥ ९७५ ॥ १०७५ ॥ ११७५ ॥ १२७५ ॥ १३७५ ॥ १४७५ ॥ १५७५ ॥ १६७५ ॥ १७७५ ॥ १८७५ ॥ १९७५ ॥ २०७५ ॥ २१७५ ॥ २२७५ ॥ २३७५ ॥ २४७५ ॥ २५७५ ॥ २६७५ ॥ २७७५ ॥ २८७५ ॥ २९७५ ॥ ३०७५ ॥ ३१७५ ॥ ३२७५ ॥ ३३७५ ॥ ३४७५ ॥ ३५७५ ॥ ३६७५ ॥ ३७७५ ॥ ३८७५ ॥ ३९७५ ॥ ४०७५ ॥ ४१७५ ॥ ४२७५ ॥ ४३७५ ॥ ४४७५ ॥ ४५७५ ॥ ४६७५ ॥ ४७७५ ॥ ४८७५ ॥ ४९७५ ॥ ५०७५ ॥ ५१७५ ॥ ५२७५ ॥ ५३७५ ॥ ५४७५ ॥ ५५७५ ॥ ५६७५ ॥ ५७७५ ॥ ५८७५ ॥ ५९७५ ॥ ६०७५ ॥ ६१७५ ॥ ६२७५ ॥ ६३७५ ॥ ६४७५ ॥ ६५७५ ॥ ६६७५ ॥ ६७७५ ॥ ६८७५ ॥ ६९७५ ॥ ७०७५ ॥ ७१७५ ॥ ७२७५ ॥ ७३७५ ॥ ७४७५ ॥ ७५७५ ॥ ७६७५ ॥ ७७७५ ॥ ७८७५ ॥ ७९७५ ॥ ८०७५ ॥ ८१७५ ॥ ८२७५ ॥ ८३७५ ॥ ८४७५ ॥ ८५७५ ॥ ८६७५ ॥ ८७७५ ॥ ८८७५ ॥ ८९७५ ॥ ९०७५ ॥ ९१७५ ॥ ९२७५ ॥ ९३७५ ॥ ९४७५ ॥ ९५७५ ॥ ९६७५ ॥ ९७७५ ॥ ९८७५ ॥ ९९७५ ॥ १००७५ ॥

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच
 द्रुपद उवाच
 महारथी त्वया युद्धायैतन्निवेद्य
 सर्वथा त्यक्त्यङ्गुलिप्रसादात्
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः समामास्यते ॥ १ ॥

151
152

12/12



Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in a single column within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related language. The page is numbered '154' in the bottom right corner.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शूरा मया द्रुपद उवाच ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

१७७। ॥ इह गच्छन्ति भूतानि भूतानि भूतानि ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥
 १७८। ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥
 १७९। ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥
 १८०। ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥ देवदेवता जेवन्त पदमं पदमं पदमं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten:

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गणेश शंकर

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

[illegible]

[illegible]

皇朝 宣統 元年

[illegible]

[illegible]

15

天

५५

155
00103[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12

[illegible]

गदधुर्द्धेण सपद्मं दत्त पदे गदन्यथा मेस समसदयः शुभ देव दामर पोविष मडि वा पुत्रा वडे सा लेख ईष्टे र प्रेष सु रई क य स्व र पू द पी मे सर व म पा र मु द या ये दु भ स

[illegible][illegible][illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2000

2

2000

10

[illegible]

[illegible]

23

[illegible]

23

[illegible]

11

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ अथ श्रुतं ॥

陳氏女

ਘੋੜੇ ਬਾਜ਼ੂ ਬਾਜ਼ੂ ਬਾਜ਼ੂ ਬਾਜ਼ੂ

अथैवंपुनरुक्तमस्मिन्

[illegible][illegible]

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

॥ ३ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ यः सर्वं ज्ञातिं भक्तं च ॥ यः सर्वं ज्ञातिं भक्तं च ॥ यः सर्वं ज्ञातिं भक्तं च ॥ यः सर्वं ज्ञातिं भक्तं च ॥ यः सर्वं ज्ञातिं भक्तं च ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཡུན་རིང་བས་ཕྱུག་པ་དེ་ལྟར་ཤུབ་ཐོབ་པ་ལོང་པ་སྒྲིལ།

॥ यथा बुद्धि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ यद्यप्यस्य दण्डं न भवेत्तु यद्यप्यस्य दण्डं न भवेत्तु यद्यप्यस्य दण्डं न भवेत्तु ॥

... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

शुभं यद्गुणं विष्णुं नमस्कृत्य कुरुते नृपकं यद्गुणं यद्गुणं मन्त्रं यद्गुणं विष्णुं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

१५ परमपूज्यवरदयदा।

३५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥

242

白頁



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ

हे मुकुन्द स्वयं परमेश्वर त्वं सर्वभूतानां हृदये निवस्य सर्वं कुरु ।
यत्तु त्वं सर्वभूतानां हृदये निवस्य सर्वं कुरु । यत्तु त्वं सर्वभूतानां हृदये निवस्य सर्वं कुरु ।
यत्तु त्वं सर्वभूतानां हृदये निवस्य सर्वं कुरु । यत्तु त्वं सर्वभूतानां हृदये निवस्य सर्वं कुरु ।
यत्तु त्वं सर्वभूतानां हृदये निवस्य सर्वं कुरु । यत्तु त्वं सर्वभूतानां हृदये निवस्य सर्वं कुरु ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७। १७। १८। १९। २०। २१। २२। २३। २४। २५। २६। २७। २८। २९। ३०। ३१। ३२। ३३। ३४। ३५। ३६। ३७। ३८। ३९। ४०। ४१। ४२। ४३। ४४। ४५। ४६। ४७। ४८। ४९। ५०। ५१। ५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to severe fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



251

曉

[illegible]

27

[illegible]

[illegible]

4
1



॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 केवलेन भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव
 भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव
 भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव
 भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव भगवत्पदमयैव

॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिं प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ वीर्यवान् द्रुपदः प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥ ३ ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपदमुनिं प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ वीर्यवान् द्रुपदः प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ ४ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥ ५ ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपदमुनिं प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ वीर्यवान् द्रुपदः प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ ६ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥ ७ ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपदमुनिं प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ वीर्यवान् द्रुपदः प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ ८ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥ ९ ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपदमुनिं प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ वीर्यवान् द्रुपदः प्रोक्ष्य पाण्डवः ॥ १० ॥

[The following text appears to be bleed-through from another page or contains extremely faint script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be handwritten notes or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

美 國 人

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring or fading.]

॥ अथ श्रीगणेशोत्थानम् ॥

[illegible]

33

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1521

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

975

[illegible]

[illegible]

42

[illegible]

एषः ३०३११ ई १८००

291

[illegible]

331

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

सर्वप्रथम

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise. It appears to be a continuation of a historical or administrative document.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

白页

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गो. १८

७७७। । वमेषु सुमहद्विभूतयुग्मस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । सप्तपुत्रस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । विष्णुस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः ।
ब्रह्मस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । इन्द्रस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । अश्विनस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । यमस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः ।
स्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । कुरुस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । मरुस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । इक्ष्वाकुस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः ।
वसुस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । शत्रुघ्नस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । अर्जुनस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । कर्णस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः ।
द्रुपदस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । भीमस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । धर्मस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः । विष्णुस्य मर्त्यमहद्विभूतयुग्मः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
माभिमन्युः पांडवश्च द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसहा ।
अर्जुनस्य सौमित्रस्तथा द्रोणश्चैव महाबलवान् ।
विभीषणश्च शूराकर्णश्चैव दुर्योधनसहिता ।
उपनिषत्तुं तानिह पश्यन् विश्वकर्मा जनाम् ।
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । माभिमन्युः पांडवश्च द्रुपदश्चैव ।
भीमार्जुनसहा विभीषणश्च शूराकर्णश्चैव ।
द्रुपदश्चैव महाबलवान् उपनिषत्तुं तानिह ।
पश्यन् विश्वकर्मा जनाम् अथ कुरुक्षेत्रे ।
समवेता युयुत्सवः माभिमन्युः पांडवश्च ।
द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसहा विभीषणश्चैव ।
शूराकर्णश्च दुर्योधनसहिता उपनिषत्तुं ।
तानिह पश्यन् विश्वकर्मा जनाम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

37

[illegible]

[illegible]

[illegible]



| | | |
|--|--|--|
| | <p>॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥</p> | |
|--|--|--|

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১৯৩৩ সালে ১২/১২/৩৩ তারিখে
 প্রাপ্ত হইয়াছে।

[illegible][illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७

मिश्रकटका

कर्मोत्पन्नसमक्षिप्योदयपण्यकुम्भकपा

कटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

मिश्रकटका

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

129

129
[Text in vertical columns, likely a sutra or commentary in Sanskrit or Tibetan script. The text is dense and spans multiple lines within the main frame.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten text in Devanagari script.]

15

संक्षेपः

439554

[illegible][illegible]

॥ सुखं भवति यदा मनसि न चित्तं विचरति ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

महाराज कुरुक्षेत्र पराजित होकर आदिपुरुष के लिये सायुधों के साथ दूध, दही, घी, तिल, मूत्र, मूलादि द्रव्य लेकर आये।

● 2014年10月1日起，在境内销售的所有乘用车（含新能源乘用车）均须符合《乘用车外后视镜要求》（GB 24427-2012）的要求。

अथर्ववेदः

श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १ ॥

१३। अथ ह्यहो मयि वासि कुरुष्व

ममभक्तैः प्रियैः सहितैः । प्रियैः सहितैः सहितैः । विद्यमानैः सहितैः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

देवपदीपदपुत्रागुह्येन निष्कामपुत्रस्य भुवि ॥ १ ॥ यत्तु यत्तु रक्षितं

॥ प्यरसु कलुषि रित्यर दोषाऽप्युदधौ च येन सादेवमात्म ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कलकत्ता १५ अक्टूबर १९४६

दरकी में खास चले रहेंगे मणि-री।
० ० ० ० ० ०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ly 6.



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[The text in this block is extremely faint and mostly illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of handwritten notes or a list of items.]

[illegible]

132



467

CHIT 21/11/19

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव कीलकमेतधमा ॥ १ ॥

169

[illegible]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely written in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some visible stains and wear along the edges of the page. The script is dense and characteristic of classical Indian writing.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

...
...
...
...
...
...
...

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

8/10/25

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to be a continuation of the historical or administrative record.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

白文

22

[illegible]

॥३॥

॥३॥ । सुभद्रादयः दयाय नानेव हेतुना संदृष्टे रम्यकेशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् यथापुनः पठेत् तदा । पठेत्
केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा । पठेत् केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा । पठेत् केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा ।
पठेत् केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा । पठेत् केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा । पठेत् केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा ।
केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा । पठेत् केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा । पठेत् केशपरेष्वपि यत्पुनः पठेत् तदा ।

॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि शूरवीरान्धिमांसे ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

- 39 -

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১১৩৮

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ चतुर्थः सर्गः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 १ ॥ अथाकस्मात्पश्यन् स राजा वीर्यवान्
 २ ॥ द्रष्टुं शक्तस्तदा तान् कुर्वन् विद्मन् कृतार्हम् ॥
 ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

第 6 章

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

७५

॥ सुप्रसन्नमस्तु ॥ ॐ देवदेव तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धियो रमन्ते ॥ धियो यो नः प्रचोदयात् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

७५

[illegible]

- 991

འཕགས་ལྷན་པ་རྒྱུ་

— १५५ —

54 2000 年 12 月

गौरीगंगा ५६५ मी. ऊँचाई

FINANCIAL STATEMENTS

DATE _____

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

CONVULSIONS

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

Handwritten text in the left margin, likely a reference or commentary.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

Handwritten text in the right margin, likely a reference or commentary.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

The following is a list of the names of the persons who have been appointed to the various positions in the Department of the Interior, under the act of March 3, 1879, entitled "An Act to provide for the better management of the public lands, and for other purposes."

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३१
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10
11
12

13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15

1970年1月1日

1. *Chlorophyll a* and *Chlorophyll b* were determined by the method of Lichtenthaler and Whistler (1973). The total chlorophyll content was determined by the method of Arar and Cook (1980). The carotenoid content was determined by the method of Lichtenthaler and Whistler (1973). The total carotenoid content was determined by the method of Arar and Cook (1980). The total protein content was determined by the method of Lowry et al. (1951). The total lipid content was determined by the method of Bligh and Dyer (1959). The total carbohydrate content was determined by the method of Dubois and Gilles (1950). The total nucleic acid content was determined by the method of Burton (1956). The total ash content was determined by the method of AOAC (1990). The total moisture content was determined by the method of AOAC (1990). The total dry matter content was determined by the method of AOAC (1990). The total organic acid content was determined by the method of AOAC (1990). The total alkaloid content was determined by the method of AOAC (1990). The total saponin content was determined by the method of AOAC (1990). The total tannin content was determined by the method of AOAC (1990). The total flavonoid content was determined by the method of AOAC (1990). The total phenol content was determined by the method of AOAC (1990). The total terpenoid content was determined by the method of AOAC (1990). The total steroid content was determined by the method of AOAC (1990). The total glycoside content was determined by the method of AOAC (1990). The total alkaloid content was determined by the method of AOAC (1990). The total saponin content was determined by the method of AOAC (1990). The total tannin content was determined by the method of AOAC (1990). The total flavonoid content was determined by the method of AOAC (1990). The total phenol content was determined by the method of AOAC (1990). The total terpenoid content was determined by the method of AOAC (1990). The total steroid content was determined by the method of AOAC (1990). The total glycoside content was determined by the method of AOAC (1990).

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पञ्चमः अथ गुरुदेवस्य वचनम् । गुरुदेवः ।

[Faint handwritten text across the bottom of the page]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

১৯৬৩ সালের ১২/১২/৬৩ তারিখে
 প্রাপ্ত: ১২/১২/৬৩ তারিখে
 প্রাপ্ত: ১২/১২/৬৩ তারিখে
 প্রাপ্ত: ১২/১২/৬৩ তারিখে
 প্রাপ্ত: ১২/১২/৬৩ তারিখে

[illegible]

... १०८ ... १०९ ... ११० ... १११ ... ११२ ... ११३ ... ११४ ... ११५ ... ११६ ... ११७ ... ११८ ... ११९ ... १२० ... १२१ ... १२२ ... १२३ ... १२४ ... १२५ ... १२६ ... १२७ ... १२८ ... १२९ ... १३० ... १३१ ... १३२ ... १३३ ... १३४ ... १३५ ... १३६ ... १३७ ... १३८ ... १३९ ... १४० ... १४१ ... १४२ ... १४३ ... १४४ ... १४५ ... १४६ ... १४७ ... १४८ ... १४९ ... १५० ... १५१ ... १५२ ... १५३ ... १५४ ... १५५ ... १५६ ... १५७ ... १५८ ... १५९ ... १६० ... १६१ ... १६२ ... १६३ ... १६४ ... १६५ ... १६६ ... १६७ ... १६८ ... १६९ ... १७० ... १७१ ... १७२ ... १७३ ... १७४ ... १७५ ... १७६ ... १७७ ... १७८ ... १७९ ... १८० ... १८१ ... १८२ ... १८३ ... १८४ ... १८५ ... १८६ ... १८७ ... १८८ ... १८९ ... १९० ... १९१ ... १९२ ... १९३ ... १९४ ... १९५ ... १९६ ... १९७ ... १९८ ... १९९ ... २०० ...

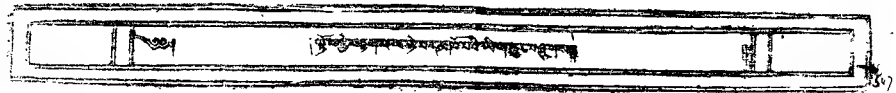
[Faint handwritten text across the bottom of the page]

... ..

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

134

15



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

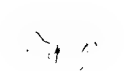
[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

EGFA-1

45
55



[illegible]

५५
५६
५७

५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and largely illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe damage and fading.)

[illegible]

[The following section contains several lines of handwritten Tibetan script.]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

45



ॐ
[The text in this block is heavily obscured by horizontal lines and is largely illegible. It appears to be a single line of text spanning the width of the page.]

॥ ७७७ ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीदिति । मे भूतबलस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ।

[illegible]

[illegible]

[Faded handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

2021

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[Faint handwritten text in Devanagari script]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following section contains extremely faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



9
10

संज्ञा

10

2000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage to the original document.]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise.]

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

1. 1. The first part of the paper is a review of the literature on the effects of the 1997 Asian financial crisis on the economies of the Asian countries.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदः पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान् ॥ ३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ११ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २१ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blur and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.)

... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सैनमिति श्रुत्वा
 वीराणां पुराणं तस्मात्प्राप्तं विदित्वा ॥ २ ॥
 अर्जुनस्य चात्मजनितमशोकं प्रब्रूयात् ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रोणमुनिं प्रणम्य ॥ ४ ॥
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुनम् ॥ ५ ॥
 पाण्डुपुत्रो मे गुरुवर्य माध्याह्निकमाश्रये ॥ ६ ॥
 यथाविधि पूजयेद्भोजयेच्च संवत्सरे ॥ ७ ॥
 अथार्यमुपासीत ॥ ८ ॥ अथार्यमुवाच ॥ ९ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ महामुनि परमेश्वर ॥ १० ॥
 मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितमशोकम् ॥ ११ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ १२ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ १३ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ १४ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ १५ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ १६ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ १७ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ १८ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ १९ ॥
 त्वमेव तन्मया श्रुतं त्वत्पुत्रस्य हृदि निहितम् ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्रात्मनः ।
 कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 बाहो बलवान्द्रुपद प्रब्रूय त्वमेव हि ।
 विशिष्टोऽस्मिन्निग्रहे सर्वपापहृत्पराय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पादौघैः पश्येति धूमस्तपस्विनाम् ।
 यन्मायामकाशं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः । मामकाः पाण्डवश्चैव तत्र गच्छतस्मिन् ब्रह्मणे ।
 स्यात्तु विजयः किमुत्र शङ्क्यते ? पाण्डव उवाच । द्रुपद उवाच । पाण्डव ! त्वया प्रदीप्तं हृदि ।
 धर्मं च त्वं वीर्यवान् । त्वं हि ज्ञास्यसि महाबाहो । तेषाम्भारत ! त्वं हि पाण्डव ! त्वं हि पाण्डव ! त्वं हि पाण्डव !

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit script.)

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 कृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय । ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिं शिष्यं त्वमतः पूर्वतः ।
 विसृज्य मया पश्यति यत्किमकुर्वत सदा ॥ २ ॥
 पांडव उवाच । मेराज ! कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय । ॥ ३ ॥
 कृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय । ॥ ४ ॥

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

1991

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

தேவநாபுரி

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[illegible]

50

विषयसूचिका

[illegible]

पुष्पजै-रघुपति

[illegible]

दण्डपदमदविवेकपञ्चमोऽध्यायः

[illegible]

वेदमार्गद्वारा यद्गुप्तमर्थवत्त्वमर्थसिद्धयश्च

पणवहूववहूवदिपदकहेदो । जेवंपणवहूवव

[illegible]

मनुसुधयस्यदन्तुः पथयध्वय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

पु-सूमादुन्दरैकपीदमाकैमपरा. सुमहेतुंयथा...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥

सुवदस देवतासुवदेवदससुवदस

[illegible]

पञ्चमः अथ चतुर्थः । इति ।

का अन्तर्गत प्रमाणित

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

(The following text is highly degraded and largely illegible due to severe damage and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[The following text is written in Devanagari script and appears to be a historical record or legal document.]

[illegible]

... ३३ ...
... ३४ ...
... ३५ ...
... ३६ ...
... ३७ ...
... ३८ ...
... ३९ ...
... ४० ...

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 १२५ अथ श्रुत्वा श्रीकृष्ण उवाच ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ २ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]